यात्री घटे व्यस्ततम मार्गों पर घटे मेट्रो बसों के फेरे

छात्र-छात्राएं परेशान, इलेक्ट्रिक बसों की दरकार

जबलपुर, नवभारत। आमजनों को सहूलियत देने शुरू की गई मेट्रो बसें अब स्वयं ही असहाय महसूस कर रही है। एक समय सार्वजनिक परिवहन के लिए शहर की लाइफ लाइन कहे जाने वाली मेट्रो बस से मुसाफिरों ने दूरी बना ली है। एक आंकड़े के अनुसार मेट्रो बस की सवारी करने वालों की संख्या में बीते पांच वर्षों में कमी आई है। वर्ष 2020 में प्रतिदिन औसतन 35 से 38 हजार लोग मेट्रो बस की सवारी कर रहे थे अब ये संख्या घटकर 15 से 18 हजार रह गई है। इसका मुख्य कारण सिविल लाइन, रादुविवि, विजय नगर, करमेता, आइटीआई और अधारताल, महाराजपुर, सुहागी, पनागर रूट पर मेट्रो बस की संख्या कम होना और आवाजाही में ज्यादा समय लगना है। ऐसे में लोग इन मार्गों पर आवाजाही के लिए टैक्सी, ई रिक्शा, ऑटो की सवारी से लेकर निजी वाहन का उपयोग कर रहे हैं। बता दे कि शहर में लंबे समय से इलेक्ट्रिक बसों के संचालन की घोषणा की गई थी, जिनको अभी भी प्रारंभ होने में पांच से छह माह का और समय लग सकता है। जिसके चलते छात्र छात्राओं को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

फैक्ट फाइल

- लगभग 35 से 38 हजार यात्री करते थे सफर प्रतिदिन 2020 में
- अब घटकर लगभग 15 से 18 हजार यात्री करते है सफर
- फिलहाल 65 के आसपास मेट्रो बसे संचालित
- 02 फेरे हर बस लगा रही है प्रतिदिन
- मार्च अप्रैल तक आएगी नई इलेक्ट्रिक बसे

ये है स्थिति

जानकारों कि माने तो अभी नगर में 65 के आसपास मेट्रो बस संचालित हो रही हैं। प्रत्येक बस निर्धारित रूट पर औसतन 2 से 3 फेरे लगाती हैं। हालांकि आवश्यकता के अनुसार बस के फेरे बढ़ा भी दिए जाते हैं। नगर निगम को सार्वजनिक परिवहन सुविधा और बेहतर बनाने के लिए केन्द्रीय शासन की योजना के तहत 100 इलेक्ट्रिक बस मिलना है। इसके लिए सारी प्रक्रिया हो चुकी है। इन बसों के आने में लगभग 6 महीने का समय और लगेगा।

फिलहाल ठप पड़ी सुविधा

सूत्रों कि माने तो आरडीविवि और महाकौशल साइंस कॉलेज रूट पर मेट्रो बसों का संचालन ठप पड़ा हुआ है। रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय और महाकौशल विज्ञान महाविद्यालय रूट पर पहले से चल रही मेट्रो सेवा का भी संचालन बंद कर दिया गया है। इस रूट पर मेट्रो बसों के बंद होने से विश्वविद्यालय जाने वाले छात्रों और आसपास के रहवासियों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। बता दे कि भोपाल-इंदौर साइड पर सरकारी बस सेवाएं शुरू हो चुकी हैं, जिससे वहां के यात्रियों को राहत मिली है। लेकिन शहर के भीतर सरकारी बसों के न चलने से लोग निजी साधनों या महंगे परिवहन विकल्पों पर निर्भर होने को मजबूर हैं।

इनका कहना है

जल्द ही इलेक्ट्रिक बसे शहर के भीतर शुरू होगी। इससे आमजनों को सुविधा मिलेगी।

सचिन विश्वकर्मा
सीईओ, जेसीटीएसएल

1 जनवरी से कचरा संग्रहण में नहीं चलेगी कोताही : निगमायुक्त

शहर को स्वच्छता में नंबर 1 बनाने निगम प्रशासन अलर्ट

नवभारत,जबलपुर। स्वच्छ सर्वेक्षण अभियान की तैयारियों को परखने और जमीनी स्तर पर व्यवस्थाओं को दुरुस्त करने के लिए निगमायुक्त राम प्रकाश अहिरवार ने शनिवार को नगर निगम वर्कशॉप का सघन निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने दो-टूक शब्दों में अधिकारियों को चेतावनी दी कि 1 जनवरी से कचरा गाड़ियों के संचालन को लेकर कोई भी बहाना स्वीकार नहीं किया जाएगा।

इस दौरान निगमायुक्त ने स्पष्ट किया कि कचरा गाड़ियों की फिटनेस और उनकी कार्यप्रणाली की जिम्मेदारी अब केवल वर्कशॉप विभाग की नहीं होगी। बल्कि मुख्य स्वच्छता निरीक्षकों को भी अब मैदान में उतरना होगा। जारी निर्देशों के मुताबिक प्रत्येक मुख्य स्वच्छता निरीक्षक प्रतिदिन गाड़ियों की स्थिति की लिखित रिपोर्ट सहायक स्वास्थ्य अधिकारी को सौंपेंगे। जमीनी समस्याओं के निराकरण के लिए अधिकारी आपस में निरंतर संपर्क में रहेंगे।

जिंगल और डस्टबिन अनिवार्य

स्वच्छता के मानकों को पूरा करने के लिए निगमायुक्त ने गाड़ियों के लिए नए दिशा-निर्देश जारी किए है। उन्होने कचरा अलग-अलग करने के लिए हर गाड़ी में 5 डस्टबिन होना अनिवार्य किया है। यदि कोई ड्राइवर मनमानी करता है या रूट का पालन नहीं करता, तो उसे तत्काल कार्य से हटाया जाएगा। गाड़ियों के मीटर चालू होने चाहिए और कचरा संग्रहण के दौरान स्वच्छता जिंगल लगातार बजना चाहिए।

इस मौके पर निगमायुक्त के साथ अपर आयुक्त देवेंद्र सिंह चौहान, सहायक आयुक्त अंकिता बर्मन, सहायक नोडल अधिकारी अभिनव मिश्रा, सहायक यंत्री देवेंद्र चौहान, सहायक स्वास्थ्य अधिकारी अनिल बारी, अर्जुन यादव, पोला राव, धर्मेंद्र राज एवं सभी मुख्य स्वच्छता निरीक्षक आदि उपस्थित रहे।

टीटी-रसोइया को चाकुओं से गोद कर लूटा

कैंट-सिविल लाइन में दो वारदातें, नगदी, मोबाइल चाबी ले गए बदमाश

जबलपुर। कैंट थाना अंतर्गत एम्पायर तिराहा के लुटेरों ने टीटी को स्कूटी अड़ाकर रोका और चाकू से वार कर नगदी, मोबाइल, चाबी लूटकर फरार हो गए। इसके बाद लुटेरों ने सिविल लाइन थाना अंतर्गत पुराना आरटीओ ग्राउण्ड के पास रसेइया को घेरा और उसे भी चाकू मारे जिसके बाद उससे भी नगदी लूटकर भाग गए। पुलिस ने दोनों ही मामलों में अज्ञात लुटेरों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर खोजबीन शुरू कर दी है। इसके साथ ही सीसीटीव्ही कैमरों के फुटेज भी खंगाले जा रहे है ताकि आरोपियों की पहचान हो सके।

कैंट पुलिस के मुताबिक जितेन्द्र कुशवाहा 31 वर्ष निवासी कृष्णा होम्स बिलहरी ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि वह रेल्वे में टीटी के पद पर पदस्थ है। बीती रात तीन बजे से उसकी ड्यूटी थी। अपने घर से रात लगभग 2-45 बजे अपनी होण्डा साईन मोटर सायकल क्रमांक एमपी 17 जेड ए 7817 से निकला था, लगभग 2-45 बजे जैसे ही सृजन चौक से आगे एम्पायर तिराहा के थोड़ा पहले पहुंचा तभी सामने तरफसे सफेद स्कूटी में तीन अज्ञात लड़के आकर उसकी बाईक के सामने स्कूटी खड़ी कर दी, स्कूटी चलाने वाला स्कूटी चालू किये था एवं स्कूटी से 2 लड़के उतरकर उसके दाहिने वायें खड़े हो गये दाहिने तरफखड़े होने वाला लड़का काली जैकेट पहने था जिसने उस पर चाकू से हमलाकर दाहिनी जांघ में चोट पहुंचा दी और उसके पर्स जिसमें 920 रूपये रखे थे, मोबाइल एवं बाईक की चाबी लेकर छीनकर तीनों वहां से स्कूटी से भाग गये। तीनों की उम्र लगभग 20 वर्ष होगी। इसी प्रकार सिविल लाइन थाने में मनोज कुशवाहा 32 वर्ष निवासी संजय नगर अधारताल ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि वह खाना बनाने का काम करता है बीती रात वह अपनी एक्टिवा से घर जा रहा था रात लगभग 3 बजे जैसे ही पुराना आरटीओ ग्राउण्ड से लगे बासिंग सेंटर वाले गेट के पास पहुंचा तभी पीछे से एक स्कूटी में अज्ञात लड़के उसकी एक्टिवा गाड़ी रोके, उनमें से एक लड़के ने चाकू दिखाकर बोला जितने पैसे हैं निकालो नहीं तो जान से खत्म कर देगें, उसने आना कानी किया तो उक्त लड़के ने चाकू से हमलाकर उसके वायें पैर के घुटने के पास चोट पहुँचा दी तो उसने अपने जेब में रखे 5 हजार रूपये और चिल्लर निकालकर उनकों दे दिया। फिर तीनों लड़के भाग गये।

शासन की नीतियों को सही ढंग से प्रस्तुत करने का अवसर मिला : रूपराह

न्याय व्यवस्था को मिलेगी धार, फेरबदल के बाद नई फौज तैयार

जबलपुर, नवभारत। मप्र की मोहन यादव सरकार ने राज्य की विधिक व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ और प्रभावी बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाया है। विधि और विधायी कार्य विभाग द्वारा जारी ताजा आदेश के अनुसार, जबलपुर मुख्य पीठ सहित इंदौर, ग्वालियर और दिल्ली स्थित महाधिवक्ता कार्यालयों में व्यापक स्तर पर नियुक्तियां और फेरबदल किए गए हैं। इस नई टीम के गठन में अनुभव और ऊर्जा का संतुलन बिठाने की कोशिश की गई है, ताकि उच्च न्यायालयों से लेकर सुप्रीम कोर्ट तक सरकार का पक्ष और मजबूती से रखा जा सके। कार्यालय में 10 विधि अधिकारियों को छोड़कर सभी का कार्यकाल एक वर्ष के लिए बढ़ा दिया गया है। इन सभी का कार्यकाल 31 दिसंबर को समाप्त होने वाला था। शासन ने प्रदेश के चारों प्रमुख केंद्रों के लिए विशेषज्ञों की सूची जारी की है। इसमें अनुभवी दिग्गजों को निरंतरता दी गई है, वहीं कई नए चेहरों को सरकारी पैरवी का मौका मिला है।

शर्तें और कार्यकाल

विभाग के सचिव मुकेश कुमार द्वारा जारी आदेश के अनुसार सभी नियुक्तियां प्राथमिक रूप से एक वर्ष के लिए की गई हैं। कार्य संतोषजनक होने पर शासन इस अवधि को बढ़ा सकता है। सरकार के पास बिना कारण बताए किसी भी समय नियुक्ति समाप्त करने का अधिकार सुरक्षित है। बता दे कि जबलपुर महाधिवक्ता कार्यालय में एक उप महाधिवक्ता ब्रम्हदत्त सिंह को अतिरिक्त महाधिवक्ता बनाया गया है। वहीं, हरप्रीत सिंह रूपराह, नीलेश यादव और जान्हवी पंडित अतिरिक्त महाधिवक्ता के पद पर बने रहेंगे। उप महाधिवक्ता के पद पर विवेक शर्मा, अभिजीत अवस्थी, स्वप्निल गांगुली और श्वेता यादव को यथावत रखा गया है।

इस प्रकार हुई नियुक्तियाँ

केंद्र	मुख्य नियुक्तियाँ (अतिरिक्त महाधिवक्ता)
जबलपुर मुख्यपीठ	हरप्रीत सिंह रूपराह, नीलेश यादव, जान्हवी पंडित, ब्रह्मदत्त सिंह
इंदौर खंडपीठ	राहुल सेठी, आशीष यादव
ग्वालियर खंडपीठ	राजेश कुमार शुक्ला

जबलपुर में हुआ बड़ा बदलाव

प्रदेश की मुख्य न्यायिक राजधानी जबलपुर में सबसे बड़ा बदलाव देखा गया है। यहाँ अतिरिक्त महाधिवक्ताओं के साथ विवेक शर्मा, अभिजीत अवस्थी और स्वप्निल गांगुली जैसे उप महाधिवक्ताओं की टीम तैनात की गई है। इसके अलावा, 57 शासकीय अधिवक्ताओं की नियुक्ति की गई है जो विभिन्न विभागों के लंबित मामलों को गति देंगे। वही नई दिल्ली स्थित कार्यालय के लिए विशेष व्यवस्था की गई है। यहां सुरजीत सिंह और अरकाज कुमार जैसे अधिकारियों को दिल्ली के साथ अटैच किया गया है, ताकि राज्य और केंद्र के बीच कानूनी समन्वय बना रहे।

उप शासकीय अधिवक्ता बने रहेंगे

वर्तमान में कार्यरत पांच उप शासकीय अधिवक्ता भी अपने पद पर बने रहेंगे। पिछले वर्ष 31 जुलाई 2024 को वर्तमान अधिकारियों की नियुक्तियां की गई थीं। इसके बाद क्रमश: 31 जुलाई और 31 अगस्त 2025 को एक-एक माह के लिए कार्यकाल बढ़ाया गया। इसके बाद 29 सितंबर 2025 को उक्त टीम का 3 माह के लिए पुन: कार्यकाल बढ़ाया गया था। यह फेरबदल न केवल कानूनी प्रक्रिया को तेज करेगा, बल्कि शासन की नीतियों को न्यायालय में सही ढंग से प्रस्तुत करने में भी सहायक होगा।

इनका कहना है

मैं सबसे पहले मप्र के मुख्यमंत्री और राज्य के महाधिवक्ता प्रशांत सिंह का आभार व्यक्त करता हूं। हमें जो जिम्मेदारी दी गई है उसे जरूर पूरा करेंगे। हमेशा कोशिश रहती है कि सभी को न्याय मिल सके।

हरप्रीत सिंह रूपराह
अतिरिक्त महाधिवक्ता
मुख्यपीठ जबलपुर, मप्र उच्च न्यायालय

वर्ल्ड रामायण कांफ्रेंस की तैयारियां अंतिम चरण पर

नवभारत,जबलपुर।
संस्कारधानी में होने जा रहे प्रतिष्ठित 'वर्ल्ड रामायण कॉन्फ्रेंस' और गीता भवन के उद्घाटन समारोह को लेकर तैयारियां अब अंतिम चरण में हैं। शनिवार को पाटन विधान सभा क्षेत्र के विधायक अजय विश्नोई और निगमायुक्त राम प्रकाश अहिरवार ने आयोजन स्थलों का औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान निगमायुक्त ने स्पष्ट किया कि अंतरराष्ट्रीय स्तर के इस आयोजन में किसी भी प्रकार की चूक बर्दाश्त नहीं की जाएगी। निरीक्षण की शुरुआत मानस भवन से हुई, जहां कॉन्फ्रेंस के मुख्य सत्र आयोजित होने हैं। इसके बाद निगमायुक्त राम प्रकाश अहिरवार 'गीता भवन वैचारिक अध्ययन केंद्र' पहुंचे। उन्होंने पूरे परिसर का भ्रमण कर साफ-सफाई, बैठने की व्यवस्था, प्रकाश व्यवस्था और सौंदर्यकरण के कार्यों को देखा।

लापरवाह अधिकारियों को सख्त चेतावनी

निरीक्षण के दौरान निगमायुक्त राम प्रकाश अहिरवार ने अधिकारियों को सख्त हिदायत दी कि सभी चाक-चौबंद व्यवस्थाएं समय सीमा के भीतर पूरी कर ली जाएं। उन्होंने दो टूक शब्दों में कहा कि विश्व स्तरीय आयोजन में शहर की छवि दांव पर होती है। यदि किसी भी कार्य में कोताही बरती गई या लापरवाही सामने आई, तो संबंधित अधिकारी के विरुद्ध कड़ी अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

पहले ही हो चुका टिकरिया भूमि का नामांतरण

रिश्वत मांगे जाने की खबर हुई वायरल, कलेक्टर ने दिए जांच के निर्देश

नवभारत,जबलपुर। कुंडम तहसील के ग्राम टिकरिया निवासी बेलबाई बैगा के पति की मृत्यु के बाद उनकी नामांकित भूमि का फौती नामांतरण नहीं होने और रिश्वत मांगे जाने की सोशल मीडिया पर प्रसारित खबर के बाद कलेक्टर राघवेंद्र सिंह ने जांच के आदेश दिए थे। एसडीएम कुंडम प्रगति गणवीर ने स्पष्ट किया कि बेलबाई बैगा के पति के नाम टिकरिया ग्राम में 0.18 हेक्टेयर भूमि का फौती नामांतरण अक्टूबर 2021 में तहसीलदार द्वारा किया जा चुका था। इस नामांतरण के बाद यह भूमि बेलबाई और उनके परिवार के तीन अन्य सदस्यों के नाम दर्ज कर दी गई थी। सोशल मीडिया पर खबर में यह दावा किया गया था कि बेलबाई बैगा पांच साल से तहसीलदार और एसडीएम कार्यालय का चक्कर लगा रही थीं और नामांतरण के लिए पटवारी द्वारा 20 हजार रुपये रिश्वत मांगी गई। एसडीएम ने इस दावे को खारिज किया और बताया कि टिकरिया भूमि का मामला पहले ही निपटा दिया गया था।

जांच दल आज करेगा कार्रवाई

ग्राम नारायणपुर की 0.90 हेक्टेयर भूमि का फौती नामांतरण अभी नहीं हुआ है। यह भूमि पति को पट्टे पर आवंटित थी और उस पर वनोपज लगी हुई है। इस मामले की जांच के लिए तहसीलदार, राजस्व निरीक्षक और वन विभाग के अधिकारी शामिल जांच दल का गठन किया गया है। जांच दल रविवार को अपनी कार्रवाई करेगा।

सड़क हादसों में दो की मौत, एक घायल

जबलपुर। शहर एवं ग्रामीण अंचल में हुए तीन अलग-अलग सड़क हादसों में दो लोगों की मौत हो गई जबकि एक घायल हो गया। जिसे उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया। यह सड़क हादसे माढ़ोताल, मझगवां, गोसलपुर थाना क्षेत्र में हुए है। मझगवां पुलिस के मुताबिक चमन लाल काछी 28 वर्ष निवासी ग्राम गिदुरहा ने बताया कि शनिवार सुबह लगभग 7 बजे प्रतिदिन की तरह उसके पिता जी मुसकी लाल 57 वर्ष टोल नाका डियूटी जाने के लिये साईकिल से निकले थे, शाम लगभग 7-45 बजे ग्राम फनवानी में अज्ञात वाहन ने पिता को टक्कर मार दी। जिससे पिता को सिर में चोट आई। साइकिल क्षतिग्रस्त हो गई है पिता को एम्बुलेंस से शासकीय अस्पताल सिहोरा लेकर गये, डाक्टर ने चैक कर उसके पिता मुसकी लाल को मृत घोषित कर दिया। इसी प्रकार माढ़ोताल पुलिस ने बताया कि शनिवार को सूचना मिली कि सन्तूलाल चौधरी 39 वर्ष निवासी ग्राम बिलखिरवा ग्राम कटंगी का को सड़क दुर्घटना में घायल होने से उपचार के लिए निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था जहां इलाज के दौरान शाम साढ़े चार बजे उसकी मौत हो गई। इसी प्रकार गोसलपुर थाने में वीरेन्द्र चौरसिया 48 वर्ष निवासी बुढ़ागर ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि बाइक क्रमांक एमपी 20 जेड डब्ल्यू 3378 से सिहोरा से कम्पनी का काम करके घर वापस जा रहा था राजशाही ढाबा एन एच 30 रोड़ तिराहा पार करके बुढ़ागर रोड़ पर आया तभी सामने से आ रहे ट्रेक्टर का चालक ने उसकी बाइक में टक्कर मार दी जिससे वे गिर गया और उसे चोटें आ गई।

विक्टोरिया के पलंग खाली, समय काट रहा स्टाफ

नवभारत,जबलपुर। जिला अस्पताल विक्टोरिया की ओपीडी में एक दम से करीब 60 फीसदी मरीजों की गिरावट देखने मिली है। जिस कारण अस्पताल का ड्यूटी स्टाफ पिछले कई दिनों से अस्पताल में सिर्फ अपनी ड्यूटी के घंटे काट रहा है। नवभारत के कैमरे में जो तस्वीरें कैद हुई उसमें स्पष्ट दिखा कि विक्टोरिया अस्पताल के कई पलंग जो एक समय मरीजों से खचाखच भरे होते थे वे आज खाली पड़े हुए हैं। और ड्यूटी स्टाफ कहीं मोबाइल में तो कहीं आपसी चर्चाओं में समय काट रहा है। कई लोग तो इस बारे में ये कहते नजर आ रहे हैं कि नए साल का जश्न मनाने के चक्कर में मरीजों को उनके परिजनों द्वारा अस्पताल से डिस्चार्ज कराया जा रहा है। इसको लेकर जिला अस्पताल विक्टोरिया प्रबंधन द्वारा मरीजों के परिजनों को भी समझाइश दी गई है कि वे नए साल का जश्न मनाने में अपने स्वास्थ्य के प्रति कोई रिस्क न लें क्योंकि जरा सी लापरवाही स्वास्थ्य के लिए बेहद हानिकारक साबित हो सकती है। जानकारी के अनुसार बीते कुछ दिनों से जिला अस्पताल विक्टोरिया में एक्सीडेंट के ही मरीज इलाज के लिए आए हैं इसके अलावा सर्दी, खांसी, बुखार के मरीज अस्पताल आते हैं और संबधित डॉक्टर्स से दवाईयां लिखवाकर अपने-अपने घर चले जा रहे हैं।

इनका कहना है

जिला अस्पताल विक्टोरिया में अभी ठंड के मौसम में मरीजों की संख्या कम है जिस कारण अस्पताल के पलंग खाली हैं। अस्पताल में अभी एक्सीडेंट में घायल मरीजों को इलाज जारी है।

डॉ. नवीन कोठारी
सिविल सर्जन
विक्टोरिया अस्पताल

मनुस्मृति के अपमान पर रोक के लिए कानून बनाए सरकार : ब्राह्मण मंडल

ब्राह्मण मंडल ने कहा-आदि ग्रंथ का अपमान भारतीय संस्कृति पर प्रहार

नवभारत,जबलपुर। ब्राह्मण मंडल, जबलपुर ने राजनीतिक द्वेष के चलते हिन्दुओं के आदि ग्रंथ मनुस्मृति को जलाने और अपमानित करने की घटनाओं पर कड़ा विरोध जताया है। मंडल ने इसे भारतीय संस्कृति के लिए गंभीर खतरा बताते हुए केन्द्र सरकार से ऐसे कृत्यों को रोकने के लिए कानून बनाने की मांग की है। मंडल के पदाधिकारियों राजेन्द्र तिवारी, प्रकाश कुररिया, उमेश अग्निहोत्री, रमाकांत तिवारी, बलराम शुक्ला एवं अनंत चतुर्वेदी ने कहा कि सृष्टि के प्रथम पुरुष महाराज मनु द्वारा रचित मनुस्मृति किसी भी वर्ण के अपमान के लिए नहीं, बल्कि समाज को सुव्यवस्थित करने के उद्देश्य से लिखी गई थी। पं. राजेन्द्र तिवारी ने कहा कि जिस ग्रंथ के श्लोकों के माध्यम से भगवान श्रीराम ने वानरराज बालि को धर्म और ज्ञान का उपदेश दिया, उसे भेदभाव या जाति विद्वेष से जोड़ना अनुचित है। उन्होंने कहा कि मनुस्मृति का प्रथम श्लोक ही उसकी पवित्र और समावेशी मूल भावना को प्रकट करता है। ब्राह्मण मंडल ने सरकार से मांग की कि भारतीय संस्कृति की रीढ़ माने जाने वाले आदि ग्रंथों के अपमान पर सख्त कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

उपलब्धि कुलगुरु प्रो. वर्मा का रादुविवि में दो वर्ष का कार्यकाल बना नवाचार और प्रगति का प्रतीक, मिली कई उपलब्धियां

नैक से 'ए' ग्रेड, शैक्षणिक प्रतिष्ठा राष्ट्रीय स्तर पर हुई सुदृढ़

नवभारत,जबलपुर। रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. राजेश कुमार वर्मा का दो वर्ष का कार्यकाल आज 28 दिसम्बर 2025 को सफलतापूर्वक *पूर्ण होने जा रहा* है। इस अवधि में विश्वविद्यालय ने अकादमिक गुणवत्ता, नवाचार, समयबद्ध प्रशासन और आर्थिक सुदृढ़ता के क्षेत्र में कई उपलब्धियाँ अर्जित की हैं। जिसमें सबसे महत्वपूर्ण विश्वविद्यालय को नैक द्वारा सीजीपीए 3.22 के साथ 'ए' ग्रेड प्रदान किया गया, जिससे रादुविवि की शैक्षणिक प्रतिष्ठा राष्ट्रीय स्तर पर सुदृढ़ हुई। शिक्षा मंत्रालय एवं नीति आयोग के सहयोग से स्थापित बायोडिजाइन इनोवेशन सेंटर और इन्क्यूबेशन सेंटर के माध्यम से अब तक 6 पेटेंट प्राप्त किए गए। इसके साथ ही पीएम-ऊषा परियोजना के तहत 20 करोड़ रुपये का अनुदान भी स्वीकृत हुआ। कुलगुरु प्रो. वर्मा ने स्वयं महाविद्यालयों में अध्यापन किया। उच्च शिक्षा विभाग की समितियों में अध्यक्ष के रूप में योगदान दिया। अतिथि विद्वानों के हित में सह-निर्देशन, मूल्यांकन और प्रोत्साहन राशि जैसे महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। 'ए' ग्रेड प्राप्त होने के बाद विश्वविद्यालय में दूरस्थ शिक्षा पाठ्यक्रमों को पुन: शुरू करने की दिशा में तैयारी पूर्णता की ओर है, अनुमति का इंतजार किया जा रहा है। कुल मिलाकर, प्रो. राजेश कुमार वर्मा का दो वर्षीय कार्यकाल रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय के लिए प्रगति, नवाचार और नई संभावनाओं का दौर साबित हुआ है।

समय पर परीक्षा, समय पर परिणाम

विश्वविद्यालय ने परीक्षा सुधारों में नया मानक स्थापित किया। सत्र 2023-24 और 2024-25 में कई परीक्षाओं के परिणाम परीक्षा समाप्ति के दिन या कुछ ही दिनों में घोषित किए गए। डीईटी- 2025 के तहत 28 घंटे में 28 विषयों के परिणाम जारी कर 519 शोधार्थियों को प्रवेश दिया गया।

19.50 करोड़ की बचत आत्मनिर्भरता की ओर मजबूत कदम

वित्तीय वर्ष 2024-25 में विश्वविद्यालय ने मितव्ययता अपनाते हुए लगभग 19.50 करोड़ रुपये की आर्थिक बचत की। इसके साथ ही कौशल विकास संस्थान द्वारा निर्मित अंगवस्त्रों के उपयोग से 8-10 लाख रुपये प्रतिवर्ष की बचत हुई। महिलाओं के लिए नि:शुल्क सिलाई प्रशिक्षण तथा विद्यार्थियों के लिए तकनीकी एवं स्वरोजगार आधारित प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए।

नए पाठ्यक्रमों से बढ़ा विद्यार्थियों का रुझान

विवि में बी.टेक, बी.वॉक, बी.एससी., बी.ए. और अन्य व्यावसायिक व एनईपी आधारित पाठ्यक्रम शुरू किए गए। सत्र 2024-25 में प्रवेश संख्या में 46 प्रतिशत और सत्र 2025-26 में 92 प्रतिशत से अधिक वृद्धि दर्ज की गई, जो प्रदेश में पहली बार हुआ। सत्र 2025-26 से शुरू किए गए इस केंद्र से करीब 3000 विद्यार्थियों ने लाभ लिया, जिससे प्रवेश प्रक्रिया अधिक सरल और पारदर्शी बनी।

'भारत' नाम के प्रयोग के निर्णय पर मिला सम्मान

रादुविवि द्वारा डिग्री और मार्कशीट में 'इंडिया' के स्थान पर 'भारत' नाम के प्रयोग के निर्णय पर प्रयागराज महाकुंभ में विश्वविद्यालय को सम्मानित किया गया। साथ ही बुके की जगह फलों से स्वागत की नई परंपरा शुरू की गई।